



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अज्ञात समाचार	24-12-22	5	1-4

सरकार की कृषक हितकारी योजनाओं से किसानों को मिल रहे हैं फसलों के बेहतर दाम: दलाल

चौ. चरण सिंह जयंती पर एचएयू में किसान दिवस पर मुकेश को मिला किसान रत्न अवार्ड

हिसार, 23 दिसंबर (विरोध वर्मा): किसान कम से कम अपने खाने के लिए प्राकृतिक खेती जरूर करें। प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को देसी गाय खरीदने पर 25 हजार रुपए का अनुदान मिलेगा। प्रदेश की सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है जिसके लिए विश्वविद्यालय व कृषि विभाग के माध्यम से किसानों को तकनीकी ज्ञान व आर्थिक मदद दी जा रही है। ये विचार प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जय प्रकाश दलाल ने कहे। वह आज चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पूर्व प्रधान मंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती पर आयोजित किसान दिवस पर बतौर मुख्य अतिथि किसानों को संबोधित कर रहे थे।

हरियाणा इकलौता ऐसा प्रदेश है जिसमें किसानों ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत जितना प्रीमियम भरा उससे 500 करोड़ रुपए अधिक का क्लेम मिला। इसके अलावा हरियाणा अकेला ऐसा प्रदेश है जो किसानों से सबसे ज्यादा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर फसलों की खरीद कर रहा है। इससे पता चलता है कि हरियाणा का कृषि विभाग प्रदेश के किसानों की भलाई के लिए अधिक संवेदनशील है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश के अधिकतर किसान छोटे

व मझौले हैं, उनकी जोत छोटी है जिससे वह नवीनतम तकनीक का लाभ नहीं ले पाते। इसलिए कृषकों को संगठित होकर खेती करने की जरूरत है। इसी कड़ी में केन्द्र व प्रदेश की सरकार किसानों को एफपीओ बनाकर खेती करने के लिए प्रेरित कर रही है व आर्थिक मदद दे रही है। सरकार एफपीओ को 90 प्रतिशत तक सब्सिडी दे रही है।



प्रदेश के विभिन्न जिलों से आई प्रगतिशील कृषक महिलाओं व कृषकों को सम्मानित करते हुए प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जय प्रकाश दलाल व कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

हर जिले के केंविके में प्राकृतिक खेती का प्रदर्शन प्रक्षेत्र : प्रो. बी.आर. काम्बोज

समारोह की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय के प्रत्येक जिले में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र पर एक एकड़ का प्राकृतिक खेती का मॉडल प्रदर्शन प्रक्षेत्र स्थापित कर चुका है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नवीनतम कृषि तकनीक जल्दी से जल्दी किसानों तक पहुंचाना हमारा मुख्य उद्देश्य

है। विश्वविद्यालय ना केवल फसलों के उत्पादन बढ़ाने पर शोध कर रहा है बल्कि उनकी गुणवत्ता बढ़ाने, कम पानी में उगाई जाने वाली किस्में विकसित करने व बदलती जलवायु के प्रति सहनशील किस्में भी विकसित कर रहा है। हाल ही में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की बायोफोर्टिफाइड किस्में व ज्वार की संकर किस्में विकसित

की हैं। विश्वविद्यालय कृषि उत्पादन के प्रसंस्करण, कपास, आलू, गन्ना, मक्का आदि फसलों में सुष्म सिंचाई, जैविक व प्राकृतिक खेती की कृषि पद्धतियां विकसित करना, ग्रामीण आंचल के युवक युवतियों को स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग प्रदान कर रहा है। प्रदेश में कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने सिरसा के गांव झोरडनाली के मुकेश पुत्र

लालचंद को किसान रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके अलावा प्रदेश भर के 40 किसानों को भी सम्मानित किया गया। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियां बताईं। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह पंडेल ने सभी का स्वागत किया और कृषि अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने सभी का धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। इस अवसर पर मुख्यातिथि ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दिन के भासके	24-12-22	4	3-6

एचएयू में किसान दिवस समारोह में प्रदेश के 40 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया, कृषि मंत्री बोले 10 हजार किसानों को मत्स्य पालन से बनाएंगे करोड़पति

भास्कर न्यूज़ | हिसार

कृषि मंत्री जयप्रकाश दलाल ने सीसीएचयू में पूर्व पीएम चौधरी चरण सिंह की जयंती पर आयोजित किसान दिवस कार्यक्रम में प्रदेश में कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने सिरसा के गांव झोरड़नाली के मुकेश को किसान रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके अलावा प्रदेशभर के 40 किसानों को भी सम्मानित किया गया।

इस मौक पर कृषि मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि मत्स्य पालन के जरिए दस हजार किसानों को करोड़पति बनाए जाने की संभावना है। खारे पानी में झींगा उत्पादन किया जा सकता है। देश-प्रदेश में हरे चारे की कमी को देखते हुए सरकार हरे चारे से साइलेज बनाने के व्यवसाय को 50 लाख रूपए तक की आर्थिक मदद दे रही है।

कृषि मंत्री ने कहा हमारे प्रदेश का बाजार ऑनज व यूरोपियन खाने लगे तो यह 20 हजार रूपये किबंटल बिकने लगेगा। साल 2023 को मोटा अनाज बाजार के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाया जा रहा



हिसार- एचएयू में सम्मानित किए गए किसानों के साथ कृषि मंत्री जेपी दलाल, वीसी प्रो. बीआर काम्बोज व अन्य अधिकारी।

है। इसको 70 देशों ने सहमति भी दे दी है। उन्होंने कहा कि पहले जो बाजरा 800 से 900 रूपये किबंटल बिकता था, वह अब 2350 रूपये में बिक रहा है।

हर जिले के केबीके में प्राकृतिक खेती का प्रदर्शन प्रक्षेत्र : प्रो. काम्बोज : किसान दिवस समारोह की अध्यक्षता कर रहे वीसी प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय के प्रत्येक जिले में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र पर एक एकड़ का प्राकृतिक खेती का मॉडल प्रदर्शन प्रक्षेत्र स्थापित कर चुका है। विश्वविद्यालय ना केवल फसलों

के उत्पादन बढ़ाने पर शोध कर रहा है बल्कि उनकी गुणवत्ता बढ़ाने, कम पानी में उगाई जाने वाली किस्में विकसित करने व बदलती जलवायु के प्रति सहनशील किस्में भी विकसित कर रहा है।

इन्हें किया सम्मानित : हिसार के गांव खारा बरवाला से राहुल, सदलपुर से सुनीता रानी, जींद जिले के बीबीपुर से अजीत सिंह, इक्कास से पूनम, पलवल के किशोरपुर से बुद्धराम, नूह से निर्मला, सोनीपत के हस्तालपुर से राजेंद्र, गद्दी मौमरपुर से राज कुमारी, यमुनानगर के नागल से रंधीर

सिंह, बाहादुरपुर से कांता रानी, कुरुक्षेत्र के खानपुर कोलीयान से राम कुमार, मथाना से तथा देवी, फतेहाबाद के धोलू से राजपाल व कांता, करनाल के नीलखेड़ी से विकारा चौधरी, कंबोपुरा से रिमन काम्बोज, रेवाड़ी के मोहमदपुर से महेश कुमार, पाली से ज्योति यादव, झज्जर के बिशन से हरेन्द्र सुहाग, ससरीली से पिकी, अंबाला के महलान से आशु, संभालका से करमजीत कौर, फरीदाबाद के अरूआ से सुभाष भाटी, पनहरा खुर्द से रेखा, पंचकुला के कोलघोष से रतन सिंह, रामपुर से मैनावंती, कैथल के लांदेर पीरजादा से मनदीप सिंह काम्बोज, उम्मेदपुर से गुरजीत कौर, पानीपत के उरलाना कला से फलकिंदर, ओझा से मनीषा देवी, महेन्द्रगढ़ के माजरा खुर्द से पंकज, बयानिया से सुनीता यादव, रोहतक के चोरी से बंसी लाल, गद्दी बोगहर से ज्योति, सिरसा के फरवैन से मोहन लाल, ओझा से सोनिया, भिवानी के बिसलवाम से कृष्ण कुमार, बादल से रेखा, फारमर फरद के अंतर्राज हिसार के चिदौद से नलवान, लाहौरी रावो से सरोज रानी को सम्मानित किया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि न्यूज	24-12-22	9	2-5

एचएयू में किसान दिवस पर बोले कृषि मंत्री जेपी दलाल

किसान अपने खाने के लिए प्राकृतिक खेती जरूर करें

■ सिरसा के मुकेश को मिला किसान रत्न अवार्ड

हरिनूज न्यूज ■ हिंसार

कृषि एवं कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहा कि किसान कम से कम अपने खाने के लिए प्राकृतिक खेती जरूर करें। प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को देसी गाय खरीदने पर 25 हजार रुपये का अनुदान मिलेगा। प्रदेश की सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है जिसके लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व कृषि विभाग के माध्यम से किसानों को तकनीकी ज्ञान व आर्थिक मदद दी जा रही है। कृषि मंत्री दलाल शुक्रवार को हकूवि में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती पर आयोजित किसान दिवस पर बतौर मुख्यातिथि किसानों को संबोधित कर रहे थे।

सबसे ज्यादा एमएसपी पर फसल खरीद रहा हरियाणा
कृषि मंत्री ने कहा कि हरियाणा इकलौता ऐसा प्रदेश है जिसमें किसानों ने प्रधानमंत्री फसल बीमा



हिंसार। किसान दिवस पर मुकेश को किसान रत्न अवार्ड से सम्मानित करते मुख्यातिथि कृषि मंत्री जयप्रकाश दलाल व कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

मडली पालन से बनेंगे करोड़पति

उन्होंने कहा कि मडली पालन व्यवसाय से प्रदेश के 10 हजार किसानों को करोड़पति बनने का सपना है। इसके अलावा देश-प्रदेश में हरे चारे की कमी को देखते हुए सरकार हरे चारे से खादलेज करने के व्यवसाय को 50 लाख रुपये तक की आर्थिक मदद दे रही है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश के अधिकतर किसान छोटे व मझोले हैं, उनकी जेत जेटी है जिससे वह नवीनतम तकनीक का लाभ नहीं ले पाते। इसलिए कृषकों को संवर्धित होकर खेती करने की जरूरत है। इसी कड़ी में केन्द्र व प्रदेश की सरकार किसानों को एचपीओ द्वारा खेती करने के लिए प्रेरित कर रही है व आर्थिक मदद दे रही है। सरकार एचपीओ को 90 प्रतिशत तक सब्सिडी दे रही है।

अलावा हरियाणा अकेला ऐसा प्रदेश है जो किसानों से सबसे ज्यादा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर फसलों की खरीद

अधिक संवेदनशील है। समारोह की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय के प्रत्येक जिले में

40 किसान सम्मानित

प्रदेश में कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सिरसा के गाँव झोरडवाली के किसान मुकेश को किसान रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके अलावा प्रदेश भर के 40 किसानों को भी सम्मानित किया गया। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम हर्ना ने विश्वविद्यालय की उपलब्धिया बताई। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. कल्याण सिंह नंडा ने सभी का स्वागत किया और कृषि अधिकारता डॉ. एस.के. पाहुजा ने सभी का धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। इस अवसर पर मुख्यातिथि ने प्रदेशी का अर्पण किया।

चुका है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नवीनतम कृषि तकनीक जल्दी से जल्दी किसानों तक पहुंचाना हमारा मुख्य उद्देश्य है। विश्वविद्यालय न केवल फसलों के उत्पादन बढ़ाने पर शोध कर रहा है बल्कि उनकी गुणवत्ता बढ़ाने, कम पानी में उगाई जाने वाली किस्में विकसित करने व बदलती जलवायु के प्रति सहनशील किस्में भी विकसित कर रहा है। हाल ही में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहें	24-12-22	3	3-6

हिसार में कृषि मंत्री ने राहुल गांधी पर साधा निशाना, बोले

‘यात्रा करते रहें राहुल, भारत के किसानों की जानकारी मिल जाएगी’

- चौ. चरण सिंह जयंती पर एचएयू में किसान दिवस पर मुकेश को मिला किसान रत्न अवार्ड
- चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय में मनाया गया किसान दिवस

सच कहें/सरदाना

हिसार। चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय में देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 120वीं जयंती के उपलक्ष्य में शुक्रवार को किसान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जय प्रकाश दलाल ने शिरकत की। इस दौरान सरसा के गांव झोरड़नाली के मुकेश को किसान रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया। समारोह के बाद कृषि मंत्री जेपी दलाल ने राहुल गांधी की यात्रा पर कटाक्ष किया। कृषि मंत्री ने कहा कि इस यात्रा के द्वारा राहुल को भारत के किसानों और गरीबों की जानकारी मिल जाएगी। राहुल शहरों में रहने वाले विदेशों में पढ़ने वाले एक अमीर आदमी हैं। उन्हें भारत की जानकारी नहीं है। जेपी ने कहा कि भगवान करे राहुल अगले 10 साल यात्रा करते रहे। कोरोना खोड़े बहुत दिन रहेगा। कोरोना प्रबंधन के 10 दिन या 20 दिन बाद अपनी यात्रा कर लें, कोई फर्क नहीं पड़ेगा, उनके पास यात्रा करने का बहुत समय है।



देसी गाय खरीदने पर 25 हजार रु. मिल रहा अनुदान

कृषि मंत्री ने कहा कि किसान कम से कम अपने खाने के लिए प्राकृतिक खेती जरूर करें। प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को देसी गाय खरीदने पर 25 हजार रुपए का अनुदान मिलेगा। प्रदेश की सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है जिसके लिए विश्वविद्यालय व कृषि विभाग के माध्यम से किसानों को तकनीकी ज्ञान व आर्थिक मदद दी जा रही है। ये विचार प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जय प्रकाश दलाल ने कहे। वह शुक्रवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पूर्व प्रधान मंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती पर आयोजित किसान दिवस पर बतौर मुख्यातिथि किसानों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा इकलौता ऐसा प्रदेश है, जिसमें किसानों ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत जितना प्रीमियम भरा उससे 500 करोड़ रुपए अधिक का वलेम मिला। इसके अलावा हरियाणा अकेला ऐसा प्रदेश है जो किसानों से सबसे ज्यादा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर फसलों की खरीद कर रहा है।

हर जिले के केवीके में प्राकृतिक खेती का प्रदर्शन प्रक्षेत्र: प्रो. काम्बोज

समारोह की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय के प्रत्येक जिले में स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर एक एकड़ का प्राकृतिक खेती का मॉडल प्रदर्शन प्रक्षेत्र स्थापित कर चुका है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नवीनतम कृषि तकनीक जल्दी से जल्दी किसानों तक पहुंचाना हमारा मुख्य उद्देश्य है। विश्वविद्यालय न केवल फसलों के उत्पादन बढ़ाने पर शोध कर रहा है बल्कि उनकी गुणवत्ता बढ़ाने, कम पानी में उगाई जाने वाली किस्में विकसित करने व बदलती जलवायु के प्रति सहनशील किस्में भी विकसित कर रहा है।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पुत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पञ्जाब डेसरी	24-12-22	2	5-6

किसानों ने मनाई चरण सिंह जयंती

हिसार (ज्यूरु): संयुक्त किसान मोर्चा से जुड़े किसानों ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती मनाई।

किसान नेता राजीव भलिक ने बताया कि किसान दिवस मनाया गया और किसान मसीहा चौधरी चरण सिंह की जयंती मनाई। उन्होंने हमेशा किसानों के हक की लड़ाई लड़ी उनको याद करना मात्र जयंती मनाना नहीं, बल्कि उनके विचारों को आत्मसात करना है। इस मौके पर बिंदू डांडा, जंग बहादुर नैन, राममेहर संधु, सागर सरोहा, सुभम खटकड़, संदीप भुंभवाल आदि मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह की जयंती मनाते संयुक्त किसान मोर्चा से जुड़े किसान।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दीन 5 भास्कर	24-12-22	2	3-5

एचएयू में चौ. चरण सिंह की 120वीं जयंती मनाई

स्व. चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त किसानों के उत्थान के लिए प्रयासरत रहे : प्रो. काम्बोज



हिसार | देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त किसानों के उत्थान के लिए प्रयासरत रहे। उनका मानना था कि देश की समृद्धि का रास्ता गांव, खेत व खलिहान से होकर गुजरता है। चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसंबर, 1902 को हलपुड़ में हुआ था। किसानों के लिए उनके अतुलनीय योगदान के कारण ही साल 2001 से 23 दिसंबर को उनकी जयंती को राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाया जाता है। पूर्व प्रधानमंत्री सदैव किसानों के हितैषी रहे और उन्हें किसानों के मसीहा के तौर पर भी जाना जाता है। उनके बताए

मार्ग पर चलकर हम सब उनको सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित कर सकते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहे। वे पूर्व प्रधानमंत्री की 120वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के बाद संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. एसके मेहता, ओएसडी डॉ. अतुल डीगड़ा, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा, अनुसंधान निदेशक, डॉ. जीत राम शर्मा, कृषि अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, कॉलेज

ऑफ बायो-टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता डॉ. सुधीर कुमार, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता, सम्पदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, सुपरिटेण्डेंट इंजीनियर जितेन्द्र सिंह, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोगरा, हौटा प्रधान डॉ. करमल सिंह, मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुखबीर सिंह, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य आदि मौजूद रहे।



पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की जयंती पर पुष्पांजलि करते कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज व मौजूद अन्य।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सूमाहार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार भास्कर	25-12-22	4	1-5

उपलब्धि • सिरसा के झोरड़नाली के प्रगतिशील किसान को हकृवि में किया गया सम्मानित परंपरागत खेती छोड़ तरबूज-खरबूजे और सब्जियां लगाईं, जीता किसान रत्न अवॉर्ड



किसान डॉ. मुकेश को सम्मानित करते कृषि मंत्री।

वरापाल सिंह | हिसार

सिरसा जिले के गांव झोरड़नाली के प्रगतिशील किसान डॉ. मुकेश कंबोज को हकृवि में आयोजित किसान दिवस समारोह में किसान रत्न अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। गांव झोरड़नाली घग्गर के तट पर है। यहां और आसपास के गांवों में धान और गेहूं के फसल चक्र की ही खेती की जाती रही।

नतीजा यह रहा कि बीते कुछ वर्षों में ज्यादा जल दोहन से जमीनी पानी का स्तर लगातार नीचे चला जा रहा था। दो साल पहले कोविड के चलते वे अपनी

1200 किसानों को दी ऑर्गेनिक फार्मिंग की ट्रेनिंग

ऑर्गेनिक फार्मिंग पर भी डॉ. मुकेश कंबोज काम कर रहे हैं। वे एचएयू से 1986 में बीएससी एग्रीकल्चर पासआउट हैं। इसके बाद 2013 में हैदराबाद से एग्रीकल्चर एक्सटेंशन मैनेजमेंट में पीजी किया और हाल ही में हैदराबाद से ही सर्टिफाइड फार्म एडवाइजर फॉर ऑर्गेनिक फार्मिंग पर डॉक्टरेट किया है। हिंदुस्तान एंडी बायोटेक पूणे में भी जॉब की, कई मल्टीनेशनल कंपनियों के लिए भी रिसर्च वर्क कर चुके हैं। वे कृषि मंत्रालय के रिजनल काउंसिल फॉर पीजीएस से भी जुड़े हैं और ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स को सर्टिफिकेशन भी करते हैं। नहुवा जैविक एवं प्राकृतिक खेती केंद्र के जरिए प्राकृतिक खेती की ट्रेनिंग भी देते हैं, अब तक 1200 किसानों को ट्रेनिंग दे चुके हैं।

जॉब छोड़कर गांव में खेती करने लगे। उन्होंने धान-गेहूं का फसल चक्र बदल तरबूज, खरबूजे व सब्जियों की खेतीवाड़ी शुरू कर दी। इसको देखते हुए आसपास के किसानों ने भी फसल चक्र बदलना आरंभ कर दिया। आसपास के 50 गांवों के किसानों को उन्होंने जल संरक्षण के लिए जागरूक किया है। यहां कुछ पकित में लोग धान-गेहूं

का चक्र भी बदलने लगे हैं। डॉ. मुकेश कंबोज ने बताया कि 1982 में उन्होंने झोरड़नाली गांव में घग्गर के तट के निकट ही 25 एकड़ जमीन ली थी। उस समय यहां 10 फुट पर पानी था। अब यह 200 फुट तक पहुंच चुका है। इसके लिए गांव में खेतों में बोर के जरिए बारिश का पानी भी नीचे डाला जाता है।

3 साल मेहनत करने के बाद उखाड़ना पड़ा किन्नू का बाग

सदलपुर के प्रगतिशील किसान राहुल ने 12वीं कक्षा करने के बाद पुरतैनी खेती



किसान राहुल।

संभाली लेकिन अलग करने की इच्छा के कारण 5 एकड़ परिया में किन्नू का बाग लगाया। ट्रेनिंग व जानकारी न होने के कारण तीन साल तक पौधे बड़े किए लेकिन फ्रूट न आने पर

बाग उखाड़ना पड़ा। इसके बाद करनाल केवीके में जाकर ट्रेनिंग ली, दोबारा बागवानी शुरू की, अब हालात यह है कि उनके यहां नर्सरी में तैयार पौधे के लिए दूर-दूर से किसान आते हैं। राहुल ने अब 35 एकड़ में बागवानी बढ़ा ली है। उनके यहां किन्नू, अमरुद, आम, माल्टा व नींबू के बाग हैं। इनकी भी अलग-अलग वेरायटी उनके बाग में उपलब्ध हैं। 10 एकड़ से करीब 25 लाख की फसल वे हर साल ले रहे हैं।

फूलों की खेती से लाखों कमा रहा राजपाल

फतेहाबाद जिले के धोलू गांव निवासी प्रगतिशील किसान राजपाल ने गांव से



किसान राजपाल

दसवीं की पढ़ाई की, इसके बाद खेती करने लगे। उनके पास पुरतैनी 4 एकड़ जमीन है। जिस पर धान-गेहूं का ही फसल चक्र चलता रहा।

यूट्यूब पर फूलों की खेती देखकर उनका भी विचार फूलों की खेती करने का आया। एचएयू में 2016 में ट्रेनिंग ली और छह साल पहले गांव में एक एकड़ में गुलाब, गेदा और मारोेट जो सजावटी फूल हैं, इनकी खेती शुरू की। अब वे गांव के आसपास रातिया, भूना और फतेहाबाद में फूल सप्लाय करते हैं और सालाना एक एकड़ से छह से सात लाख कमा रहे हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

समस्त चरणसिंह

23.12.2022

स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त किसानों के उत्थान के लिए प्रयासरत रहे : प्रो.बी.आर. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यून

हिसार। देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी जीवन पर्यन्त किसानों के उत्थान के लिए प्रयासरत रहे। उनका मानना था कि देश की समृद्धि का रास्ता गांव, खेत व खलिशान से होकर गुजरता है। चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसंबर 1902 को हमपुड़ में हुआ। किसानों के लिए उनके अतुलनीय योगदान के कारण ही साल 2001 से 23 दिसंबर को उनकी जयंती को राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। पूर्व प्रधानमंत्री सदैव किसानों के हितैषी रहे और उन्हें किसानों के मसीहा के तौर पर भी जाना जाता है। उनके अग्रण मार्ग पर चलकर हम सब उनको सच्ची बड़ाईजति अर्पित कर सकते हैं। वे विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे पूर्व प्रधानमंत्री को 120वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर बड़ाईजति देने

के बाद संबोधित कर रहे थे। किसानों के प्रति उनका प्रेम इसलिए भी था क्योंकि चौधरी चरण सिंह स्वयं एक किसान परिवार व ग्रामीण परिवेश से थे और वे किसानों की समस्याओं को अच्छी तरह से समझते थे। राजनेता होने के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री एक अच्छे लेखक भी थे। अपने कार्यकाल के दौरान चौधरी चरण सिंह ने देश में किसानों के जीवन और स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए कई नीतियां बनाईं। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. एस.के. महता, ओएससी डॉ.अतुल शींगरू, वित्त निबंधक नवीन जैन, खासबोनर अधिष्ठाता डॉ. के.डी. शर्मा, अनुसंधान निदेशक, डॉ. जीत राम शर्मा, कृषि अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाटुवा, कॉलेज ऑफ कायो-टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता डॉ. सुधीर कुमार, मौसिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह भंडाल, मानव संसाधन प्रबंधन



निदेशक डॉ. यंजु महता, समूदा अधिकारी एवं करमल सिंह, मुख्य सूरदा अधिकारी मुखबीर मुख्य अधिष्ठाता डॉ. एम.एस. चिडपुरिया, सिंह, भीष्मिका एडवाइजर डॉ. संदीप भार्गव के सुपरिटेण्डेंट इंजीनियर विवेक सिंह, कृषि अलावा विश्वविद्यालय के सभी विभागाध्यक्ष, अधिष्ठाता एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिकारी तथा शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी अधिष्ठाता डॉ. बलदेव जोगरा, सैदा प्रधान डॉ. सीमूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिन्धु पल्स	23.12.2022	-----	-----

सरकार की कृषक हितकारी योजनाओं से किसानों को मिल रहे हैं फसलों के बेहतर दाम: जय प्रकाश दलाल

डॉ. चरण सिंह जयती घर एचएयू में किसान दिवस पर मुकेश कोमिला किसान रत्न अवार्ड

सिन्धु पल्स न्यूज, हिसार। किसान कम से कम अपने खाने के लिए प्राकृतिक खेती करना चाहें। प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को देशी खस खरीदने पर 25 हजार रुपये का अनुदान मिलेगा। प्रदेश की सर्वोच्च प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित है जिसके लिए विश्वविद्यालय व कृषि विभाग के सहयोग से किसानों को तकनीकी ज्ञान व आर्थिक मदद दी जा रही है। ये विश्व प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री जय प्रकाश दलाल ने कौटुंबिक आवाज चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पूर्ण प्रथम मंडी सौंपते हुए शुभकामनाएं कीं जबकि पर आर्थिक किसान दिवस पर बड़ी मूल्यांकन विचारकों को संबोधित कर रहे थे।



विभिन्न जिलों से आए प्रतिभागी कृषकों को सम्मानित करते हुए पुरस्कारित व कुशल

हरियाणा इकोनॉमिक्स एंड ग्रोथ के निम्न विभागों ने प्रथममंथन फसल बीमा योजना के अंतर्गत किसानों को प्रतिवर्ष 500 करोड़ रुपये

आर्थिक का बल बन गया। इसके अलावा हरियाणा अनेक एमए प्रदेस है जो किसानों से सबसे ज़्यादा अनुदान समर्थन पूरा (एचएयू) पर फसलों की खरीद कर रहा है। इससे प्राप्त फसल है कि हरियाणा का कृषि विभाग प्रदेश के किसानों की मदद के लिए आर्थिक सौंपेदारता है। उन्होंने प्रदेश में किसानों के लिए में पलाई जा रही कृषि,

पशुपालन एवं मछली पालन सम्बंधी योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। मछली पालन व्यवस्थापन से प्रदेश के 10 हजार किसानों को करोड़ों की मदद की जा सकेगी है। इसके अलावा देश-प्रदेश में हो जाने की कमी को देखते हुए साक्षर हो पारे से स्टूडेंट्स बनने के अवसर को 50 लाख रुपये तक की आर्थिक मदद दे

ली है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश के अधिकतर किसान छोटे व मछली है, उसी को छोटी है जिससे वह अधिकतम तकनीक का लाभ नहीं ले पाते। इसलिए कृषकों को संगठित होकर खेती करने को कहा है। इसके अलावा में केन्द्र व प्रदेश की सरकार किसानों को एचएयू के सहकार खेती करने के लिए प्रेरित कर रही है

व आर्थिक मदद दे रही है। सरकार एचएयू को 90 प्रतिशत तक सौंपेगी दे रही है। हर जिले के केन्द्रीय व प्राकृतिक खेती का प्रदर्शन प्रदर्शन प्रो. डॉ. अरुण कुमार कोमिला:

समावेश की अवस्था कर रहे मूलभूत प्रो. डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के प्रत्येक जिले में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र पर एक एकड़ का प्राकृतिक खेती का प्रदर्शन प्रदर्शन स्थापित कर चुका है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नवीनतम कृषि तकनीक जलवायु से सौंपी किसानों तक पहुंचाने के लिए प्रयत्न है। विश्वविद्यालय या क्षेत्र फसलों के उत्पादन बढ़ाने पर सौंप कर रहा है अधिक उत्पादों मुक्तता बढ़ाने, कम पानी में उगाई जाने वाली फसलों विकसित करने व बदलती जलवायु के प्रति सहनशील फसलों को विकसित कर रहा है। इस क्षेत्र में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित खादों की आपूर्ति प्रोत्साहित

करिये व जवाब की संभार फसलों विकसित की है। विश्वविद्यालय कृषि उत्पादन के प्रदर्शन, कृषक, अनु. सेवा, गांधी जयन्ती पर सौंप सिन्धु, केन्द्र व प्राकृतिक खेती की कृषि प्रदर्शन विकसित करवा, राष्ट्रीय अनुदान को कृषक फसलों को स्थित केन्द्रों पर प्रदर्शन कर रहा है। प्रदेश में कृषि क्षेत्र में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित के मुकेश पूरा को प्रोत्साहित को किसान एवं अर्थव्यवस्था में सम्मिलित किया गया। इसके अलावा प्रदेश पर के 40 किसानों को भी सम्मिलित किया गया।

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतानंद शर्मा ने विश्वविद्यालय को सम्मिलित कहा। विश्वविद्यालय निदेशक डॉ. कल्याण सिंह मंडल ने सौंपे का स्वागत किया और कृषि अर्थव्यवस्था डॉ. एम.के. पांडे ने सौंपे का शुभकामनाएं प्रदर्शन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदर्शन का अवलोकन किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	23.12.2022	-----	-----

स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त किसानों के उत्थान के लिए प्रयासरत रहे : प्रो. बी.आर. काम्बोज

एचएयू में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 120वीं जयंती मनाई

पाठकपक्ष न्यून

हिसार, 23 दिसम्बर : देश के

पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी जीवन पर्यन्त किसानों के उत्थान के लिए प्रयासरत रहे। उनका मानना था कि देश की समृद्धि का रास्ता गांव, खेत व खलिहान से होकर गुजरता है। चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसंबर 1902 को हापुड़ में हुआ। किसानों के लिए इनके अतुलनीय योगदान के कारण ही साल 2001 से 23 दिसंबर को उनकी जयंती को राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। पूर्व प्रधानमंत्री सदैव किसानों के हितैषी रहे और उन्हें किसानों के मसीहा के तौर पर भी जाना जाता है। उनके बताए मार्ग पर चलकर हम सब उनको सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित कर सकते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे पूर्व



प्रधानमंत्री की 120वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के बाद संबोधित कर रहे थे। किसानों के प्रति उनका प्रेम इसलिए भी था क्योंकि चौधरी चरण सिंह स्वयं एक किसान परिवार व ग्रामीण परिवेश से थे और वे किसानों की समस्याओं को अच्छी तरह से समझते थे। राजनेता होने के

साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री एक अच्छे लेखक भी थे। अपने कार्यकाल के दौरान चौधरी चरण सिंह ने देश में किसानों के जीवन और स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए कई नीतियां बनाईं। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. एस.के. महता, ओएसडी डॉ.अतुल दोंगड़ा, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. के.डी.

शर्मा, अनुसंधान निदेशक, डॉ. जीत राम शर्मा, कृषि अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा, कॉलेज ऑफ बायो-टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता डॉ. सुधीर कुमार, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता, सम्पदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, सुपरिटेण्डेंट इंजीनियर जितेन्द्र सिंह, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोगरा, हीटा प्रधान डॉ. करमल सिंह, मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुखवीर सिंह, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य के अलावा विश्वविद्यालय के सभी विभागाध्यक्ष, अधिकारी तथा शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नमो-2022	23.12.2022	-----	-----

एचएयू में मनाई पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की जयंती राजनेता के साथ एक अच्छे लेखक भी थे चौधरी चरणसिंह : कुलपति



नम-छोर न्यूज 23 दिसंबर
हिसार। चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरणसिंह की जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर

श्रद्धांजलि दी। कुलपति ने कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त किसानों के उत्थान के लिए प्रयासरत रहे। उनका मानना था कि देश की समृद्धि का रास्ता गाँव, खेत व खलिहान से होकर गुजरता है। उनका जन्म 23 दिसंबर 1902 को हापुड़

में हुआ। किसानों के लिए इनके अतुलनीय योगदान के कारण ही साल 2001 से 23 दिसंबर को उनकी जयंती को राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री सदैव किसानों के हितैषी रहे और उन्हें किसानों के मसीहा के तौर पर भी जाना जाता है। उनके बताए मार्ग पर चलकर हम सब उनको सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि किसानों के प्रति उनका प्रेम इसलिए भी था क्योंकि चौधरी चरण सिंह स्वयं एक किसान परिवार व ग्रामीण परिवेश से थे और वे किसानों की समस्याओं को अच्छी तरह से समझते थे। राजनेता होने के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री एक अच्छे लेखक भी थे। अपने कार्यकाल के दौरान चौधरी चरण सिंह ने देश में किसानों के जीवन और स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए कई नीतियां बनाईं।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद
कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के

कुलसचिव डॉ. एसके महता, ओएसडी डॉ.अनुराग खंडा, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. के.डी. शर्मा, अनुसंधान निदेशक, डॉ. जीत राम शर्मा, कृषि अधिष्ठाता डॉ. एस.के. फाटुजा, कॉलेज ऑफ बायो-टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता डॉ. सुधीर कुमार, मौसिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नौरज कुमार, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू महता, सम्पदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, सुपरिटेण्डेंट इंजीनियर जितेन्द्र सिंह, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोगरा, हौटा प्रधान डॉ. करमल सिंह, मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुखबीर सिंह, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य के अलावा विश्वविद्यालय के सभी विभागाध्यक्ष, अधिकारी तथा शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
मन-द्वार	23.12.2022	-----	-----

पूर्व प्रधानमंत्री चरण सिंह की जयंती पर किसानों का सम्मान

कृषि मंत्री बोले: भगवान करे राहुल अगले 10 साल यात्रा करते रहें

नम-छोर न्यूज २३ दिसंबर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चरण सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में किसान दिवस समारोह में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जय प्रकाश दलाल ने शिरकत की। इस दौरान सिरसा के गांव झोरइनाली के मुकेश को किसान रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया। समारोह के बाद कृषि मंत्री जेपी दलाल ने राहुल गांधी की यात्रा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इस यात्रा के द्वारा राहुल को भारत के किसानों और गरीब की जानकारी मिल जाएगी। राहुल शहरों में रहने वाले, विदेशों में पढ़ने वाले एक अमीर आदमी हैं। उन्हें भारत की जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि भगवान करे राहुल अगले 10 साल यात्रा करते रहें। कोरोना थोड़े बहुत दिन रहेगा। कोरोना प्रबंधन के 10 दिन या 20 दिन बाद अपनी यात्रा कर लें, कोई फर्क नहीं पड़ेगा, उनके पास यात्रा करने का बहुत समय है। कृषि मंत्री जेपी दलाल ने कहा, 'मैं जहां-जहां जाता हूँ, वहां लोग एक सवाल जरूर पूछते हैं। सर्दी के मौसम में ऐसी कौन सी दवाई राहुल जी खाते हैं कि हाफ टीशर्ट में भी उन्हें ठंड नहीं लगती। अगर यह फॉर्मूला हमारे सैनिकों को, जो



हिमालय पर रहते हैं, मिल जाए, तो देश के प्रति उनका बड़ा अच्छा योगदान होगा।' इस समारोह में हर जिले से प्रगतिशील किसानों को सम्मानित करके होसला अफजाई की गई। इस मौके पर गांव खारा बरवाला से राहुल, सदलपुर से सुनीता रानी, जींद जिले के बीबीपुर से अजीत सिंह, इक्कस से पुनम, पलवल के किशोरपुर से बुद्धराम, नुंह से

निर्मला, सोनीपत के हलालपुर से राजेंद्र, गढ़ी भीमरपुर से राज कुमारी, यमुनानगर के नागल से रणधीर सिंह, बहादुरपुर से कांता रानी, कुरुक्षेत्र के खानपुर कोलीयान से राम कुमार, मथाना से उषा देवी, फतेहाबाद के धौलू से राजपाल व कांता, करनाल के नीलोखेड़ी से विकास चौधरी को सम्मानित किया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
आज समाज	24.12.2022	-----	-----

सरकार की कृषक हितकारी योजनाओं से किसानों को मिल रहे है फसलों के बेहतर दाम: जय प्रकाश दलाल

चौ. चरण सिंह जयंती पर एचएयू में किसान दिवस पर मुकेश को मिला किसान रत्न अवार्ड

आज समाज पेटवर्क

शिक्षा। किसान कर्म से कम अपने खाने के लिए प्राकृतिक खेती करना चो। प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को देखी गल खरीदने पर 25 हजार रुपये का अनुदान मिलेगा। प्रदेश की सबसे प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए एचएयू है किसानों के लिए विश्वविद्यालय व कृषि विभाग के सहयोग से किसानों को तकनीकी ज्ञान व आर्थिक मदद दी जा रही है। ये विचार प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री जय प्रकाश दलाल ने कहे। वह आज चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पूर्ण प्रधान मंत्री चौधरी चरण को जयंती पर अवैतनिक किसान दिवस पर श्रेष्ठ सुसज्जित किसानों को सम्मानित कर रहे थे।

हरियाणु कृषि मंत्री जय प्रकाश दलाल ने किसानों में प्रचलित फसल बीमा योजना के अंतर्गत किसानों को 500 करोड़ रुपये अधिक का कर्जा दिया। इसके अलावा हरियाणु अंतर्गत एक प्रदेश



प्रदेश के विभिन्न जिलों से आई प्रशिक्षित कृषक महिलाओं को सम्मानित करते हुए सुसज्जित व सुसज्जित।

है जो किसानों से सबसे जल्द अनुदान सम्बंधित सुझाव (एचएयू) पर फसलों को खरीद कर रहा है। इसके बाद अलावा है कि हरियाणु पर कृषि विभाग प्रदेश के किसानों को फसलों के लिए अधिक सचेतना दे रहा है। उन्होंने प्रदेश में किसानों के लिए नए फसल का री

कृषि, पशुपालन एवं मछली पालन संबंधी योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। मछली पालन व्यवसाय से प्रदेश के 10 हजार किसानों को करोड़ों रुपये खर्च करने की सहायता है। इसके अलावा देश-प्रदेश में हरे पत्ते को बनने को देखते हुए

सहजता से पौधों से पशुपालन बचाने के व्यवसाय को 50 लाख रुपये तक की अधिक मदद दे रही है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश के अधिकतर किसान छोटे व मछिले हैं, उनको जल छोटी है जिससे वह सर्वोत्तम तकनीक का लाभ नहीं ले

पाते। इसीलिए कृषकों को संशोधन सेक्टर खेती करने की सलाह है। इसे कच्ची में केन्द्र व प्रदेश की सरकार किसानों को एचएयूओं तक मदद खेती करने के लिए प्रेरित कर रही है व आर्थिक मदद दे रही है। सरकार एचएयूओं को 90 प्रतिशत तक सहायता दे रही है।

इस जिले के किसानों में प्राकृतिक खेती का प्रदर्शन प्रयोग प्रो. बी.अर. काम्बोज, पंचसरोज की अध्यक्षता कर रहे सुसज्जित प्रो. बी.अर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय के प्रत्येक जिले में स्थित कृषि विभाग केन्द्र पर एक एकड़ का प्राकृतिक खेती का मॉडल प्रदर्शन प्रयोग स्थापित कर चुका है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित पर्यवेक्षण कृषि तकनीक जल्दी से जल्दी किसानों तक पहुंचान इच्छा पूर्ण उद्देश्य है। विश्वविद्यालय या केवल किसानों के उत्साह बढ़ाने पर श्रेष्ठ कर रहा है अधिक उनको सुसज्जित बढ़ाने, कम पानी में उपाय करने वाले किसानों विकसित करने व बढ़ावा देना सुसज्जित के उच्च मानकों किन्हीं भी विकसित कर रहा है। हाल

ही में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित करने की कार्ययोजनाएं किन्हीं व जल को संभर किन्हीं विकसित की है। विश्वविद्यालय कृषि उत्पादन के प्रसंस्करण, पशुधन, जल, पन्ना, पन्ना जल पन्ना में पूर्ण सिंचाई, जैविक व प्राकृतिक खेती की कृषि पर्यवेक्षण विकसित करण, सम्पूर्ण अंतर्गत के कृषक सुसज्जित को विगत टेकनॉलॉजी ट्रेनिंग प्रदान कर रहा है।

प्रदेश में कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने किसानों के साथ हरियाणु के मुकेश पुर की सलाह को किसान रत्न अवार्ड में सम्मानित किया गया। इसके अलावा प्रदेश भर के 40 किसानों को भी सम्मानित किया गया। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने विश्वविद्यालय की उपस्थिति में कहा। विश्वविद्यालय निदेशक डॉ. अशोक सिंह मंडल ने श्रेष्ठ वर सलाह किया और कृषि अंतर्गत डॉ. एस.के. पांडेय ने श्रेष्ठ का पन्नाएं इच्छा उचित किया। इस अवसर पर सुसज्जित के प्रदर्शन का अवलोकन किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सूचनापत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

कृषि मंत्रालय, नई दिल्ली

26-12-22

4

3-5

कृषि मंत्री ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में किसान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बताए मोटे अनाज के फायदे, कहा वो दिन दूर नहीं जब अमेरिका व ब्रिटेन खाएंगे हमारा बाजरा

नया दिल्ली, 26 दिसंबर: कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कृषि विश्वविद्यालय में शुभ शुरुआत करते हुए किसान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने किसानों के साथ बैठकर मोटे अनाज के फायदे और उत्पादन में बढ़ोतरी के लिए सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दी।



कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर (दोसरे से दाएं) किसान दिवस कार्यक्रम के दौरान किसानों के साथ बैठकर बातचीत करते हैं।



कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर (बाएं) किसान दिवस कार्यक्रम के दौरान किसानों के साथ बातचीत करते हैं।

फसल बीमा से 500 करोड़ का फायदा

कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किसान दिवस कार्यक्रम के दौरान किसानों के साथ बैठकर मोटे अनाज के फायदे और उत्पादन में बढ़ोतरी के लिए सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

आधुनिक खेती करने पर देशी गाय खरीदने में विशेष अनुदान

कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किसान दिवस कार्यक्रम के दौरान किसानों के साथ बैठकर मोटे अनाज के फायदे और उत्पादन में बढ़ोतरी के लिए सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दी।



कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर (बाएं) किसान दिवस कार्यक्रम के दौरान किसानों के साथ बातचीत करते हैं।

एकपौड़ी बनाकर खेती करें लाभ ही लाभ होगा

कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किसान दिवस कार्यक्रम के दौरान किसानों के साथ बैठकर मोटे अनाज के फायदे और उत्पादन में बढ़ोतरी के लिए सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

सर्वोत्तम कृषि तकनीकों से लाभ पहुंचाना हमारा ध्येय - कुलशर्मा

कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किसान दिवस कार्यक्रम के दौरान किसानों के साथ बैठकर मोटे अनाज के फायदे और उत्पादन में बढ़ोतरी के लिए सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किसान दिवस कार्यक्रम के दौरान किसानों के साथ बैठकर मोटे अनाज के फायदे और उत्पादन में बढ़ोतरी के लिए सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किसान दिवस कार्यक्रम के दौरान किसानों के साथ बैठकर मोटे अनाज के फायदे और उत्पादन में बढ़ोतरी के लिए सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किसान दिवस कार्यक्रम के दौरान किसानों के साथ बैठकर मोटे अनाज के फायदे और उत्पादन में बढ़ोतरी के लिए सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किसान दिवस कार्यक्रम के दौरान किसानों के साथ बैठकर मोटे अनाज के फायदे और उत्पादन में बढ़ोतरी के लिए सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किसान दिवस कार्यक्रम के दौरान किसानों के साथ बैठकर मोटे अनाज के फायदे और उत्पादन में बढ़ोतरी के लिए सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किसान दिवस कार्यक्रम के दौरान किसानों के साथ बैठकर मोटे अनाज के फायदे और उत्पादन में बढ़ोतरी के लिए सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उमंग उजागल	26-12-22	2	1-3



उमंगपुरी विद्या की अतिथि विद्यार्थी सुदीप कौर अग्रणीय उमंग उजागल में भाग लेती हैं।



उमंगपुरी विद्या की अतिथि विद्यार्थी सुदीप कौर अग्रणीय उमंग उजागल में भाग लेती हैं।



उमंगपुरी विद्या की अतिथि विद्यार्थी सुदीप कौर अग्रणीय उमंग उजागल में भाग लेती हैं।

पोषण सुरक्षा : प्राकृतिक खेती के साथ मोटे अनाज की होगी ब्रांडिंग

कृषि मंत्री दलाल बोले-रासायनिक उर्वरकों की भांग कम करने व किसानों को व्यावसायिक बनाने के लिए हो रहा नया प्रयोग

किसानों को रासायनिक उर्वरकों के साथ-साथ प्राकृतिक खेती के साथ मोटे अनाज की ब्रांडिंग के लिए नया प्रयोग शुरू किया है। कृषि मंत्री दलाल बोले-रासायनिक उर्वरकों की भांग कम करने व किसानों को व्यावसायिक बनाने के लिए हो रहा नया प्रयोग।



उमंगपुरी विद्या की अतिथि विद्यार्थी सुदीप कौर अग्रणीय उमंग उजागल में भाग लेती हैं।



उमंगपुरी विद्या की अतिथि विद्यार्थी सुदीप कौर अग्रणीय उमंग उजागल में भाग लेती हैं।

भिवानी के लोहार क्षेत्र में बन रहा मोटे अनाज का शोध संस्थान

कृषि मंत्री दलाल बोले-रासायनिक उर्वरकों की भांग कम करने व किसानों को व्यावसायिक बनाने के लिए हो रहा नया प्रयोग।

प्राकृतिक और आर्गेनिक खेती करने वाले अधिक सम्मानित

कृषि मंत्री दलाल बोले-रासायनिक उर्वरकों की भांग कम करने व किसानों को व्यावसायिक बनाने के लिए हो रहा नया प्रयोग।

मोटे अनाज-कृषि की खेती से भी मिलेगा नया रोजगार

कृषि मंत्री दलाल बोले-रासायनिक उर्वरकों की भांग कम करने व किसानों को व्यावसायिक बनाने के लिए हो रहा नया प्रयोग।

कृषि मंत्री दलाल बोले-रासायनिक उर्वरकों की भांग कम करने व किसानों को व्यावसायिक बनाने के लिए हो रहा नया प्रयोग।

